अध्याय पंचम

# शोध सारांश, निष्कर्ष एवं सुझाव

5.1 प्रस्तावना

5.2 समस्या कथन

5.3 अध्ययन के उद्देश्य

5.4 परिकल्पनाएँ

5.5 शोध के चर

5.6 न्यादर्श

5.7 शोध में प्रयुक्त उपकरण

5.8 अध्ययन के मुख्य परिणाम

5.9 शोध के निष्कर्ष

5.10 शैक्षिक सुझाव

5.11 भावी शोध हेतु सुझाव

अध्याय पंचम

# शोध सारांश, निष्कर्ष एवं सुझाव

## 5.1 प्रस्तावना

शिक्षा की प्रक्रिया में यदि बालकों को बचपन से ही उनके जीवन व अस्तित्व को बनाए रखने हेतु पर्यावरण के महत्व को बताकर पर्यावरण संरक्षण हेतु विभिन्न कौशलों का उनमें विकास किया जाए तो भविष्य में एक जागरूक तथा जिम्मेदार नागरिक के रूप में वे अपने पर्यावरण को संरक्षित व सुरक्षित रखने में योगदान दे सकेंगे और अपनी वसुंधरा को नष्ट होने से बचायेंगे।

पर्यावरण शिक्षा बालकों को औपचारिक व अनौपचारिक रूप में विद्यालय में ही सफलतापूर्वक प्रदान की जा सकती है। विद्यालय मे बालकों को शिक्षा प्रदान करने का मुख्य दायित्व शिक्षकों का है। विद्यालय के शिक्षकों में पर्यावरण संबंधी ज्ञान एवं जागरूकता जितनी अधिक होगी, उतना ही उनके द्वारा विद्यालय में पढाने पर छात्र भी जागरूक रहेंगे तथा पर्यावरण संरक्षण करने व प्रदूषण को दूर करने हेतु संवेदनशील तथा प्रयत्नशील रहेंगे।

इसलिए सेवापूर्व शिक्षकों की पर्यावरणीय जागरूकता को जानना तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनका दृष्टिकोण कैसा है क्योकि वे शिक्षक बनने की प्रक्रिया में है और भविष्य में वे शिक्षक बनकर बच्चों को पढायेंगे।

इसी कारण प्रस्तुत शोध अध्ययन छात्र अध्यापकों की पर्यावरण जागरूकता तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति दृष्टिकोण का अध्ययन है।

इसी कारण प्रस्तुत शोध अध्ययन छात्र अध्यापकों की पर्यावरण जागरूकता तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति दृष्टिकोण का अध्ययन है।

## 5.2 समस्या कथनः-

छात्र अध्यापकों की पर्यावरण जागरूकता तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति दृष्टिकोण का अध्ययन

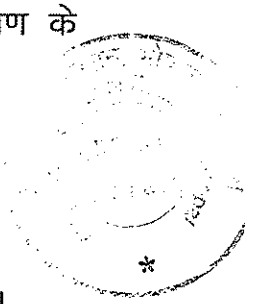

## 5.3 अध्ययन के उद्देश्य :-

1. छात्र अध्यापकों की पर्यावरण जागरूकता का अध्ययन करना।
2. छात्र अध्यापकों की पर्यावरण संरक्षण के प्रति दृष्टिकोण का अध्ययन करना।
3. पर्यावरण जागरूकता तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति दृष्टिकोण के बीच सहसंबंध का अध्ययन करना।
4. छात्र अध्यापक तथा छात्र अध्यापिकाओं की पर्यावरण जागरूकता में अंतर ज्ञात करना।
5. ग्रामीण एवं शहरी छात्र अध्यापकों की पर्यावरण जागरूकता में अंतर ज्ञात करना।
6. सरकारी एवं निजी अध्यापक विद्यालय में अध्ययनरत छात्र अध्यापकों की पर्यावरण जागरूकता में अंतर ज्ञात करना।
7. छात्र अध्यापक तथा छात्र अध्यापिकाओं की पर्यावरण संरक्षण के प्रति दृष्टिकोण में अंतर ज्ञात करना।
8. ग्रामीण एवं शहरी छात्र अध्यापकों की पर्यावरण संरक्षण के प्रति दृष्टिकोण में अंतर ज्ञात करना।
9. सरकारी एवं निजी अध्यापक विद्यालय में अध्ययनरत छात्र अध्यापकों की पर्यावरण संरक्षण के प्रति दृष्टिकोण में अंतर ज्ञात करना।

## 5.4 परिकल्पनाएँ :-

1. पर्यावरण जागरूकता तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति दृष्टिकोण के बीच सार्थक सहसंबंध नहीं है।

2. छात्र अध्यापक तथा छात्र अध्यापिकाओं की पर्यावरण जागरूकता में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
3. ग्रामीण एवं शहरी छात्र अध्यापकों की पर्यावरण जागरूकता में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
4. सरकारी एवं निजी अध्यापक विद्यालय में अध्ययनरत छात्र अध्यापकों की पर्यावरण जागरूकता में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
5. छात्र अध्यापक तथा छात्र अध्यापिकाओं की पर्यावरण संरक्षण के प्रति दृष्टिकोण में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
6. ग्रामीण एवं शहरी छात्र अध्यापकों की पर्यावरण संरक्षण के प्रति दृष्टिकोण में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
7. सरकारी एवं निजी अध्यापक विद्यालय में अध्ययनरत छात्र अध्यापकों की पर्यावरण संरक्षण के प्रति दृष्टिकोण में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

## 5.5 शोध के चर :-

अध्ययन के लिए प्रस्तुत चरों का उपयोग किया है।

- स्तत्रंत चर-
  - (i) लिंग – छात्र अध्यापक/ छात्र अध्यापिका
  - (ii) क्षेत्र – ग्रामीण/शहरी
  - (iii) विद्यालय का प्रकार – सरकारी/निजी-प्राईवेट
- आश्रित चर-
  - (i) पर्यावरण जागरूकता
  - (ii) पर्यावरण संरक्षण के प्रति दृष्टिकोण

## 5.6 न्यादर्श :-

प्रस्तुत अध्ययन में महाराष्ट्र राज्य के वर्धा जिले के 3 सरकारी तथा 3 निजी/प्राईवेट अध्यापक विद्यालय को शामिल किया है। यादृच्छिक विधी से न्यादर्श का चयन किया है।

इस शोधअध्ययन में 6 अध्यापक विद्यालय से कुल 120 छात्र अध्यापकों का समावेश किया है, जिसमें से 70 छात्र अध्यापक ग्रामीण क्षेत्र से है तथा 50 छात्र अध्यापक शहरी क्षेत्र से है।

## 5.7 शोध में प्रयुक्त उपकरण :-

1. प्रस्तुत अध्ययन के लिए छात्र अध्यापकों की पर्यावरण जागरूकता जानने के लिए डॉ. सीमा धवन द्वारा प्रमाणीकृत उपकरण 'अध्यापकों की पर्यावरण जागरूकता परीक्षण' {Environmental Awareness Test of Teacher (EATT)} का चयन किया गया।
2. छात्र अध्यापकों की पर्यावरण संरक्षण के प्रति दृष्टिकोण जानने हेतु डा. एन.एन.श्रीवास्तव और कु. शशि दुबे कृत प्रमाणित उपकरण पर्यावरण अभिवृत्ती मापनी का चयन किया गया।

## 5.8 अध्ययन के मुख्य परिणाम :-

1. अध्यापक विद्यालय के 94.17 प्रतिशत छात्र अध्यापकों की पर्यावरण जागरूकता औसत या औसत से अधिक है। सिर्फ 5.83 प्रतिशत छात्र अध्यापकों की पर्यावरण जागरूकता कम है।
2. अध्यापक विद्यालय के 98.32 प्रतिशत छात्र अध्यापकों का पर्यावरण संरक्षण के प्रति दृष्टिकोण औसत या औसत से ज्यादा अनुकूल है सिर्फ 1.67 प्रतिशत छात्र अध्यापकों की पर्यावरण संरक्षण के प्रति दृष्टिकोण ज्यादा प्रतिकूल है।
3. पर्यावरण जागरूकता तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति दृष्टिकोण के बीच सार्थक सहसंबंध है।

4. छात्र अध्यापक तथा छात्र अध्यापिकाओं की पर्यावरण जागरूकता में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
5. ग्रामीण एवं शहरी छात्र अध्यापकों की पर्यावरण जागरूकता में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
6. सरकारी एवं निजी अध्यापक विद्यालय में अध्ययनरत छात्र अध्यापकों की पर्यावरण जागरूकता में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
7. छात्र अध्यापक तथा छात्र अध्यापिकाओं की पर्यावरण संरक्षण के प्रति दृष्टिकोण में सार्थक अंतर है।
8. ग्रामीण एवं शहरी छात्र अध्यापकों की पर्यावरण संरक्षण के प्रति दृष्टिकोण में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
9. सरकारी एवं निजी अध्यापक विद्यालय में अध्ययनरत छात्र अध्यापकों की पर्यावरण संरक्षण के प्रति दृष्टिकोण में सार्थक अंतर है।

## 5.9 शोध के निष्कर्ष :-

अध्यापक विद्यालय के छात्र अध्यापकों की पर्यावरण जागरूकता परीक्षण लेने के बाद यह निष्कर्ष निकाला गया कि 94.17 प्रतिशत छात्र अध्यापकों की पर्यावरण जागरूकता औसत या औसत से अधिक है। सिर्फ 5.83 छात्र अध्यापकों की पर्यावरण जागरूकता कम है, ऐसे ही पर्यावरण संरक्षण के प्रति दृष्टिकोण मापनी के आधार पर 98.32 प्रतिशत छात्र अध्यापकों की पर्यावरण संरक्षण के प्रति दृष्टिकोण औसत या औसत से ज्यादा अनुकूल है, सिर्फ 1.67 प्रतिशत छात्र अध्यापकों की पर्यावरण संरक्षण के प्रति दृष्टिकोण ज्यादा प्रतिकूल है।

पर्यावरण जागरूकता तथा पर्यावरण सरंक्षण के प्रति दृष्टिकोण में सहसंबंध का अध्ययन किए जाने पर दोनों के बीच सार्थक सहसंबंध पाया गया।

अध्यापक विद्यालय में अध्ययनरत छात्र अध्यापकों को लिंग के आधार पर विभाजित किए जाने पर छात्र अध्यापक एवं छात्र अध्यापिकाओं

की पर्यावरण जागरूकता में कोई सार्थक अंतर नहीं है, लेकिन पर्यावरण संरक्षण के प्रति दृष्टिकोण में छात्र अध्यापक एवं छात्र अध्यापिकाओं में सार्थक अंतर पाया गया। छात्र अध्यापकों को क्षेत्र के आधार पर विभाजित किए जाने पर ग्रामीण एवं शहरी छात्र अध्यापकों की पर्यावरण जागरूकता में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया और पर्यावरण संरक्षण के प्रति दृष्टिकोण में भी कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

डी.एड (D.Ed) के अध्यापक विद्यालय को सरकारी एवं निजी/प्राईवेट अध्यापक विद्यालय में विभाजित किये जाने पर इनमे अध्ययनरत छात्र अध्यापकों की पर्यावरण जागरूकता में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया, लेकिन दोनों ही अध्यापक विद्यालय में अध्ययनरत छात्र अध्यापकों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति दृष्टिकोण में सार्थक अंतर पाया गया।

अंततः इस शोध अध्ययन से यह निष्कर्ष निकाले जा सकते है कि छात्र अध्यापकों की पर्यावरण जागरूकता को और बढाने की आवश्यकता है तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति दृष्टिकोण को बढाने के लिए उचित कारगर प्रयास किए जाने चाहिए जिससे कि छात्र अध्यापकों के मन में पर्यावरण के प्रति रूचि में बढोत्तरी हो सके।

## 5.10 शैक्षिक सुझाव :–

1. पर्यावरण शिक्षा वर्तमान समय की मांग है, पर्यावरण शिक्षा को अनिवार्य विषयों के साथ साथ स्थान दिया जाना चाहिए क्योंकि डी. एड (D.Ed) के पाठ्यक्रम में पर्यावरण शिक्षा शामिल नहीं है। पर्यावरण शिक्षा को पाठ्यक्रम में शामिल कर दिया तो छात्र अध्यापकों की पर्यावरण के जागरूकता तथा पर्यावरण के प्रति रूचि बढेंगी।
2. अध्यापक विद्यालय में विविध कार्यक्रमों के अंतर्गत, परिचर्चा, वाद–विवाद, संगोष्ठी, निबंध लेखन, चित्रकला, नाटिका इत्यादि का

आयोजन किया जाना चाहिए, जिससे कि छात्र अध्यापकों को पर्यावरण से संबंधित जानकारी हासिल हो।

3. छात्र अध्यापकों की विद्यालय की ओर से शैक्षिक पर्यावरणीय भ्रमण का आयोजन किया जाए, जिससे कि छात्रों को पर्यावरण के विविध घटकों, विविध पर्यावरण के अंगो की जानकारी बढे, जिससे कि पर्यावरण जागरूकता में बढोत्तरी हो जाएगी।
4. अध्यापक विद्यालय के छात्रों को पर्यावरण से संबंधित कार्यक्रमों में अधिक से अधिक सहभागी होना का मौका देना चाहिए। जिससे कि छात्रों को पर्यावरण के विविध आयामों, पर्यावरण क्षयण इत्यादि के बारे में जान सके।

## 5.11 भावी शोध हेतु सुझाव :-

1. बी.एड. के छात्र अध्यापकों की पर्यावरण जागरूकता तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति दृष्टिकोण का अध्ययन।
2. विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान के विद्यार्थियों की पर्यावरण जागरूकता तथा पर्यावरण अभिवृत्ति का अध्ययन।
3. पर्यावरण शिक्षा में पढ़ाने वाले विविध विधि का विद्यार्थियों के अध्ययन पर पडने वाले प्रभाव का अध्ययन।
4. आदिवासी तथा गैर आदिवासी विद्यार्थियों की पर्यावरण जागरूकता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति दृष्टिकोण का अध्ययन।
5. एन.सी.सी. छात्र एवं गैर एन.सी.सी. छात्रों मे पर्यावरण जागरूकता एवं पर्यावरण संवर्धन का अध्ययन करना।
6. अध्यापक विद्यालय के अध्यापकों की तथा छात्र अध्यापकों की पर्यावरण जागरूकता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति दृष्टिकोण का अध्ययन।
7. माध्यमिक विद्यालयों में पर्यावरण जागरूकता एवं पर्यावरण संवर्धन का अध्ययन।